शिखर 2

पाठ 13. प्याज़ की शॉल

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य घमंड न करने की सीख देना है। हमें किसी का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए। हमें दूसरों को बुरा-भला नहीं कहना चाहिए। सभी बराबर है, कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। एक-दूसरे के प्रति प्रेम और स्नेह का भाव रखना चाहिए। प्रकृति ने सभी को कुछ-न-कुछ विशेष गुण दिया है। इसलिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा की भावना नहीं होनी चाहिए।

पाठ का सारांश

सब्ज़ियों में बहस छिड़ी थी कि सबसे अच्छा कौन है। सबने अपनी-अपनी विशेषता बतलाई। सभी सब्ज़ियों ने प्याज़ का मज़ाक उड़ाते हुए उसे बदबूदार कहा। जब कोई नतीजा नहीं निकल पाया कि सबसे अच्छा कौन है तो सब सब्ज़ियों ने प्रकृति माँ के घर जाने का फैसला किया। सभी सब्ज़ियाँ बैलगाड़ी में लदकर प्रकृति माँ के घर की ओर चल पड़ी। गरमी के दिन थे। गरमी के कारण टमाटर का रंग उड़ने लगा। सबने उसे गाड़ी से नीचे फेंक दिया। थोड़ी देर बाद बैंगन सड़ गया। सब्ज़ियों ने उसे भी नीचे धकेल दिया। ककड़ी में से भी बदबू आने लगी। उसे भी गाड़ी से बाहर फेंक दिया। तेज धूप से गाजर भी पूरी तरह सड़ गई। उसे भी गाड़ी से धकेल दिया। अब गाड़ी में आलू और प्याज़ ही बचे थे। थोड़ी देर बाद आलू भी सड़ गया। प्याज़ ने उसे भी बैलगाड़ी से बाहर गिरा दिया। प्याज़ प्रकृति माँ के घर पहुँचा। उसने प्रकृति माँ को सारी बात बताई। प्रकृति माँ ने कहा 'हाँ' तुम अच्छे हो परंतु बाकी सभी सब्ज़ियाँ भी अच्छी हैं। उनका अपना महत्त्व और गुण है। प्याज़ बोला कि वे सभी मुझे बदबूदार कहती हैं। प्रकृति ने प्याज़ को वरदान दिया कि आज से सब तुम्हारी गंध को पसंद करेंगे। कोई भी सब्ज़ी पकाएँगे तो तुम्हें उसमें मिलाएँगे। प्याज़ खुश हो गया। प्रकृति माँ ने उसे एक रेशमी शॉल दी।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की पृष्ठभूमि के बारे में चर्चा करते हुए बच्चों से पूछें– क्या सब्ज़ियों का एक-दूसरे से बहस करना उचित है? क्या उन्हें कोई सब्ज़ी अच्छी और कोई सब्ज़ी बुरी लगती है? उन्हें कौन-सी सब्ज़ी खाना सबसे अच्छा लगता है? बच्चों से पाठ का आदर्श वाचन करवाएँ। प्रत्येक बच्चे से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। बच्चों द्वारा कक्षा में पाठ का अभिनय करवाकर भी पाठ का मूल भाव समझाया जा सकता है।

बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- उनसे सब्ज़ियों के नाम पूछें।
- उनसे पूछें कि कौन-सी सब्ज़ी ज़मीन के ऊपर और कौन-सी सब्ज़ी ज़मीन के नीचे उगती है?
- बच्चों को पाठ का मूल भाव समझाएँ कि हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए।
- पाठ से संबंधित कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

❖ पाठ में आए संयुक्त अक्षरों को छाँटकर लिखिए।

❖ बच्चों को शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल देने के लिए प्रेरित करें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

मदद के हाथ (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।